ए.जे.डब्लचू.एस.

अनुदान

अमेरिकन ज्युईश वर्ल्ड सर्विस

जमीनी स्तर के बदलाव के माध्यम से जागतिक न्याय की खोज

ए.जे.डब्लचू.एस.

अनुदान

विकास के मानक: पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य कृती संस्था में, चिकित्सक भारत के बच्चोंकी उंचाई नाप रहे हैं, छाया: रिबेक्का शर्मन

ए.जे.डब्लचू.एस.

अनुदान देते समय की हमारी प्रतिबद्धता

१९८५ से एशिया, अफ्रीका और अमरीकी महाद्वीपों में जमीनी स्तर के विकास और मानवी अधिकारों को बढावा देने के प्रति अमेरिकन ज्यूइश वर्ल्ड सर्विस (ए.जे.डब्लचू.एस.) प्रतिबद्ध है. इन महाद्वीपों के स्थानीय संस्थाओं को जो अर्थिक सहाय्यता हम देते आ रहे हैं, उसके जरिए न्याय की खोज का जो तत्त्व यहूदी विचारों में आज्ञास्वरूप है उसे हम साकार करते हैं और बदलाव लानेवाले लोगों और समूहों का साथ देते हैं. अपने समुदायों के हकों के लिये लड़ रहे लोगों का हम साथ देते हैं तो हमारा और उनका, दोनों का काम अधिक ताकतवर हो जाता है.

दुर्गम गांवों में, शहरों की झुग्गी-झोंपडियों में और संघर्षग्रस्त इलाकों में संगठित होने के लिये हम अर्थिक सहायता दे कर हम ऐसे तबकों तक पहुंचने की कोशिश करते हैं जिन की जरूरतें पारंपरिक विकास कार्यक्रमों के द्वारा पूरी नहीं होती. यह हकीकत है कि ऐसे

समुदायों को स्थानीय सरकार और समाज हाशिए पर ही रखता है, इसलिए ऐसे समुदायों के साथ काम करने के माने उन तक सेवाएं और विकास पहुंचाने के काम के साथ साथ ही सार्वजनिक सेवाओं की मांग करना, उनके मानवी अधिकारों को हासिल करना और उनके साथ जो भेदभाव किया जाता है उसे कम करना भी जरूरी है.

हमारे साथी नवप्रवर्तक, प्रतिबद्ध और निर्भय हैं. वे रोजमर्रा की गरीबी और भेदभाव जैसी समस्याओं को सुलझाने के लिये और बदलाव के लिए काम करने मे जुटे हैं, सिर्फ अपने स्थानिक सीमित स्तर पर ही नहीं बल्कि सरकार के व्यवहार के उच्चतम स्तर पर भी बदलाव लाने में जुटे हैं. अपने काम के प्रति उनका उत्कट लगाव है. उन्होंने जो सफलता हासिल की है उससे हमें प्रेरणा मिलती है.

हमें उनके काम पर गर्व है और वह काम आप के साथ बांटना हमारे लिए सम्मान की बात हैं.

रूथ मेसिंजर — केट क्रोएगर

अध्यक्ष — अनुदान निदेशक

अनुदान देने के सिद्धांत और रणनीति

निरंतर आजीविका: घाना में ताजा मछली की बिक्री, छाया: जूडी एंजल

अनुदान देने के सिद्धांत

न्याय और समानता पर आधारित दुनिया के निर्माण में जुटे हुए जमीनी स्तर के समुदायों को ए.जे.डब्ल्यू.एस. सहायता देती है. यह काम मानव अधिकारों के वैश्विक घोषणा पत्र (युनिवर्सल डेक्लेरेशन ऑफ ह्युमन राईट्स) में उद्घोषित सिद्धांतों और आदर्शों के अनुसार चलता है *''चूंकि मानव जाति के हर सदस्य के अंतर्निहित आत्मसम्मान को तथा उस के अ-वंचनीय और समान अधिकारों को स्वीकार करना ही विश्व में स्वतंत्रता, न्याय व शांति प्रस्थापित करने की नींव है.''*

ए.जे.डब्ल्यू.एस. और उनकी साथी संस्थाएं दृढता से मानती हैं कि:

- अपने देश और समुदायों के विकास के लिए भविष्य देखने की, उसे परिप्रेक्ष्य में ढालने की तथा साकार करने के लिए कार्यक्रम बनाने की सर्वाधिक क्षमता जमीनी स्तर की संस्थाएं ही रखती हैं.
- मानवी अधिकारों को नकार कर किसी भी समुदाय का विकास नहीं हो सकता.
- समुदायों के विकास में और बदलाव लाने में औरतें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं; लिंगभेद पर आधारित अत्याचार और शोषण का सामना करने में जब तक औरतें पूरी तरह से सक्षम नहीं हो जाती तब तक किसी भी समुदाय का जीवन फल-फूल नहीं सकेगा.
- हाशिए पर रहने वाले समुदाय गरीबी और मानव अधिकारों के उल्लंघन के बारे में विशेष असुरक्षित होते है; लेकिन उनका संगठन अगर उन्ही के अंदर से होता है तो वे बदलाव और विकास के शक्तिमान साधन बन सकते हैं.

सहायता देने की रणनीतियां

ए.जे.डब्लयू.एस. अपना अनुदान का कार्य एक दूसरे से जुडी चार रणनीतियों से चलाता है.

अनुदान: समुदायिक विकास और सामाजिक बदलाव के बारे में स्थानीय संस्थाओं के अपने दृष्टिकोण और योजनाओं को साकार करने के लिए ए.जे.डब्लयू.एस. उन्हे लचीला, दीर्घकालीन और सीधा अनुदान देता है, सिर्फ परियोजना अनुदान तक सीमित नहीं रहता.

साझेदारी: ए.जे.डब्लयू.एस. अपने अनुदानग्राहियों को संसाधन, प्रशिक्षण और नीति बनाने की गतिविधिओं में स्थान प्राप्त होने में सहायता देने की दृष्टी से. अन्य दाता संस्थाओं, उनके अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क और गैरसरकारी संस्थाओं से सक्रिय साझेदारी बनाने की हमेशा कोशिश करती है. हमारे समकक्ष साझेदारी अनुदान कार्यक्रम के तहत ए.जे.डब्लयू.एस. महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थाओं को सहायता देती है.

क्षमता विकास: ए.जे.डब्लयू.एस. अपने अनुदानग्राहियों को अपनी संगठनात्मक क्षमता बढाने के अवसर प्राप्त कराने के लिये कई तरीके से सहायता करता है, जैसे कि, ए.जे.डब्लयू.एस. के स्वयंसेवी दस्ते से सहयोग, समकक्ष शिक्षा, जरूरत आधारित मूल्यांकन और अनुगामी कार्यवाही, और अंतर्देशीय प्रशिक्षण नेटवर्कों के लिये अर्थिक सहाय्यता दे कर स्थानीय क्षमता विकास सेवाएं प्रदान करनेवालों के क्षेत्र का विस्तार.

वकालत: अंतर्देशीय ओर अंतर्राष्ट्रीय नीतियों पर हो रही बहस में जमीनी स्तर की आवाजों को सम्मिलित कराने के लिये ए.जे.डब्लयू.एस. सहायता करता है. वह अनुदान ग्राहियों को महत्त्वपूर्ण बैठकों में और नीति चर्चा के मंचों में शामिल होने के लिये यात्रा अनुदान देता है और अनुदान ग्राहियों ओर उनके सहयोगी संगठनों की आवाजों और विशेषताओं पर आधारित स्थानीय वकालत संगठनों को अनुदान देता है.

अनुदान विषय

ए.जे.डब्लयू.एस. अफ्रीका, एशिया और अमरीका में निम्नलिखित क्षेत्रों में काम करनेवाले गैर सरकारी और लोकसमूह आधारित संगठनों को सहायता देता है.

स्थायी आजीविका और स्थायी विकास: ए.जे.डब्ल्यू.एस. का अनुदान जमिनी स्तर के संगठनों की आर्थिक और पर्यावरणीय स्थायित्व का बढ़ावा देने की, उचित श्रम मानकों को बढावा देने की और महिलाओं और सीमान्त तबकों का स्तर ऊंचा करने की क्षमताओं को मजबूत करता है. प्राथमिकताओं में निम्न चीजें शामिल हैं:

- स्थायी कृषि, जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा
- भूमि और संसाधनों पर अधिकार
- आर्थिक अवसर
- झुग्गी-झोपड़ी और शहरी विकास

सामुदायिक स्वास्थ्य: ए.जे.डब्ल्यू.एस. सामूहिक स्वास्थ्य का दर्जा सुधारमे की कोशिशों की सहाय्यता करता हैं. स्थानीय स्वाथ्य सेवाओं की पहुंच बढाता है, रोग प्रतिबंध और नियंत्रण में लोकसमूहों को शामिल करने को बढावा देता है और लिंग-आधारित हिंसा को मिटाता हैं. प्राथमिकताओं में निम्न चीजें शामिल हैं:

- एच.आय.वी/एड्स तथा अन्य बीमारियों का निवारण, और साथ ही देखभाल, समर्थन, शिक्षा और वकालत
- महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य और मानव अधिकार
- स्वास्थ्य प्रणालियों का सबलीकरण
- हिंसा निवारण

सब के लिये शिक्षा: ए.जे.डब्ल्यू.एस. का अनुदान सरकारी स्कूलों की शिक्षा को, गैर औपचारिक शिक्षा को और जो युवा और वयस्क शिक्षा से वंचित रहे हैं उनके व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत बनाता है.

प्राथमिकताओं में निम्न चीजें शामिल हैं:

- लड़कियों, अनाथों और संघर्ष प्रभावित बच्चों तक शिक्षा की पहुंच को बढ़ावा
- शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम विकास, सामुदायिक सहभागिता और पाठशालाओं का नियंत्रण इन के जरिये शिक्षा की गुणवत्त को बढ़ाना
- व्यावसायिक और साक्षरता प्रशिक्षण को समर्थन

- प्रारंभिक शिशु विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा

संघर्ष और आपात स्थितियों में सामुदायिक सहभागिता: ए.जे.डब्ल्यू.एस. संघर्ष और आपात स्थितियों से प्रभावित लोगों की शांति और विकास की ओर बढने की काशिशों का समर्थन करती है.

प्राथमिकताओं में निम्न चीजें शामिल हैं:

- आपात स्थितियोंका जवाब देने, उनसे निपटने की क्षमता बढ़ाने और जोखिम कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय और समूहों की अगुआई में होनेवाली कोशिशों का सबलीकरण
- मानसिक और सामाजिक समर्थन
- लड़ाकुओं का, विशेष कर बालकों का, निःशस्त्रीकरण, लड़ाकू दलों का विघटन और शांतिपूर्ण सम्मिलीकरण
- खास कर महिलाओं ओर युवाओं की अगुआई से शांति प्रस्थापना और आर्थिक सबलीकरण का समर्थन
- स्थायी आजीविका, सामूहिक स्वास्थ्य और सब के लिये शिक्षा – इनके सहारे आपात स्थिति से विकास की ओर संक्रमण

सामूहिक आवाज उठाना – नागरिक और राजनीतिक सहभागिता: जिन नीतिओं और कार्यक्रमों का लोक समूहों पर सीधा असर पड़ता है उनका स्वरूप तय करने की उनकी कोशिशों का ए.जे.डब्ल्यू.एस. समर्थन करता है. सर्वाधिक प्राथमिकता नीचे दिये हुए तबकों के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिये स्थानीय संगठनों के नेतृत्व में हो रही कोशिशों को दी जाती है:

- महिलाएं
- बच्चे, युवा और किशोर
- एतद्देशीय समूह
- धार्मिक और वांशिक अल्पसंख्यक
- यौन अल्पसंख्यक
- शरणार्थी और आंतरिक विस्थापन पीड़ित

- एच.आय.वी/एड्स के साथ जीनेवाले
- विकलांग
- किसान और मजदूर

महिलाओं का सबलीकरण: मध्य ग्वाटेमाला में महिलाओं और बालिकाओं में नेतृत्व और सुरक्षा का विकास करने में जुटे हुए ए.जे.डब्ल्यू.एस. के एक अनुदानग्राही फेसिरगुआ ने आयोजित किये हुए एक कार्यक्रम में भाग ले रही एक माया लडकी, छाया: दिएगो मेरिनो

अमरीकी महाद्वीप में ए.जे.डब्ल्यू.एस. का अनुदान कार्यक्रम

खाद्य सुरक्षा: पोकारतांबो, पेरू में एक मां अपने बच्चे को पॉपकॉर्न का दाना खिला रही है, छाया: डेविड रॉटबार्ड

अमरीकी महाद्वीप के करीबियन, मध्य अमरीका और दक्षिण अमरीका के क्षेत्रों के दस देशों में ए.जे.डब्ल्यू.एस. का काम है. इन देशों में दिये गये अनुदानों का विशेष प्रयोजन देशी लोगों, आफ्रो-वांशिक लोगों, महिलाओं और युवाओं, यौन अल्पसंख्यकों और एच.आय.वी/एड्स के साथ जीनेवालों अधिकारों पर विशेष बल देना है.

मेक्सिको, कोलंबिया, बोलिविया, पेरू और **होंडुरास** में देशी लोगों और आफ्रो-वांशिक लोगों के उन संगठनों को ए.जे.डब्ल्यू.एस. समर्थन देता है जो अपनी पुश्तैनी जमीन और प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने में, हानिकारक बडे उद्योगों के खिलाफ संघर्ष में और अपने आत्मनिर्णय और नागरिक और राजनीतिक सहभागिता के अधिकारों को पूरी तरह कार्यान्वित करने में लगे हुए है.

एल साल्वादोर, मेक्सिको, हाइती, कोलंबिया और **निकारागुआ** में ए.जे.डब्ल्यू.एस. स्थायी कृषि विकास और स्थानीय व्यापार विकास, भूमि अधिकारों के लिये वकालत, तथा कई सालों से हो रहे व्यापार के उदारीकरण, पर्यावरण की हानि और सरकार के हाथों छोटी किसानी की उपेक्षा इन चीजों के चलते हो रही बर्बादी से बचने की कोशिशों को समर्थन दे रहा है.

प्रभावकारी, आसानी से मिलनेवाली और समन्यायी स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था महिलाओं और युवजनों के सक्रिय भागीदारी पर निर्भर है. **ग्वाटेमाला** में ए.जे.डब्ल्यू.एस.के साथी समूह आधारित पाठशाला चलाते हैं जो उच्चतम दर्जे की द्विभाषी अंतर्सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करती है. **पेरू, बोलिविया** और **मेक्सिको** में जमीनी स्तर के महिला संगठन भेदभाव की स्वास्थ्य नीतियों और यौन हिंसा के खिलाफ वकालत करते हैं. **एल साल्वादोर** और **होंडुरास** में अनुदानग्राही संगठन युवा लोगों को यौन और पुनरुत्पादन स्वास्थ्य में और यौन अल्पसंख्यकों को प्रभावित करनेवाले मुद्दों पर समकक्ष शिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित कर रहे हैं.

हिंसा और सशस्त्र संघर्ष के प्रदेशों में ए.जे.डब्ल्यू.एस. के अनुदानग्राही संगठन शांति और सुरक्षा की ओर बढ़ने के साथ साथ लोगों की आजीविका, स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार लाने का काम करते हैं. **कोलंबिया** में ए.जे.डब्ल्यू.एस के साथी संगठन देश के अंदर विस्थापितों का विघटित लड़ाकू दलों से वापस लौटे हुए युवाओं कि नागरिक तथा राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का काम करते है. **हैती, हौंडुरास** और **कोलंबिया** में जहां जमीन और संसाधनों के विवादों से, संघर्ष और भी तीव्र बनते हैं, ए.जे.डब्ल्यू.एस के साथी संगठन बिगड़े हुए पर्यावरणीय तंत्र को पुर्नप्रस्थापित करने का तथा सुरक्षित आजीविका निर्माण करने का काम करते हैं.

अनुदानग्राही संगठनों पर प्रकाश

ला सिनेगा ग्रांन्डे डेल बाजो सिनू के समुदाय विकास के लिए उत्पादन करनेवालों की संस्था (ए.एस.पी.आर.ओ.एस.आय.जी) यह कोलंबिया के जमीनी स्तर के किसानों के, मछलीमारों के और एतद्देशीय झेनू लोगों के संगठनों का संजाल है. यह संस्था प्राकृतिक पर्यावरण को सुरक्षित रखने का और खेती को स्थायी रखने का काम करती है. ए.जे.डब्ल्यू.एस की सहायता से ए.एस.पी.आर.ओ.एस.आय.जी व्यापक क्षेत्रीय व्यवस्थापन विकसित करने में जुटी है. इस कार्यक्रम के तहत सौ छोटे पर्यावरणीय-खेतों का निर्माण तथा स्थानीय लोगों की खाद्य सुरक्षा बढ़ाना एवं अदरुनी विस्थापन को रोकने का काम होगा.

‘हम ग्रामीण विकास का जो वैकल्पिक कार्यक्रम बना रहे हैं वह हमारा जीवन और हमारे प्राकृतिक संसाधन बचा कर रखने का तरीका है . . . हम इस प्रदेश से गहराई तक जुड़े हैं

और यहां के प्राकृतिक तंत्र से हमे बहुत प्यार है. हमारी विरासत की जड़े तथा नदी और मानग्रोवों के साथ का हमारा एक-जीव सा रिश्ता ही हमारा जीवन है.'

जामिनसन पटालुआ, ए.एस.पी.आर.ओ.एस.आय.जी.

अफ्रीका में ए.जे.डब्ल्यू.एस. का अनुदान कार्यक्रम

अफ्रीका के सहारा समीप क्षेत्र में ए.जे.डब्ल्यू.एस १६ देशों में काम कर रही है. वहां स्वास्थ्यसेवा, शिक्षा और स्थायी आजीविका की लोगों तक पहुंच बढ़ाने के लिए और विशेष रूप से वंचित लोगों के लिए काम करनेवाले संगठनों को वह अनुदान देती है.

एच.आय.वी/एड्स के असर को संबोधित करना और एच.आय.वी/एड्स से प्रभावित तथा बाधित व्यक्तिओं की आर्थिक और खाद्य सुरक्षा को बढावा देना ए.जे.डब्ल्यू.एस की पूरे महाद्वीप में प्राथमिकता रही है. दक्षिण अफ्रीका में ए.जे.डब्ल्यू.एस के साथी एचआयवी/एडस् का रोक/प्रतिबंध तथा बाधित रोगियों को उपचार और सेवा देने का काम करते हैं; **इथियोपिया, केनिया, युगांडा** और **जांबिया** में अनुदानग्राही एडस विषाणु से ग्रस्त घरों को तथा अनाथ बालकों की परवरिश करनेवाले परिवारों को घर में सेवा, छात्रवृत्ती, और अन्य सहायता देते है. **नायजीरिया** और **घाना** में साथी संगठन यौन अल्पसंख्यकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सेवा देते हैं.

अफ्रीका में एचआयव्ही से ग्रस्त रोगियों मे लगभग ६0 प्रतिशत महिलाएं और लडकियां हैं. असमान सत्ता के ढँाचे और लिंग भेद के कारण महिलाओं और लडकियों को एच.आय.वी के संक्रमण का सामना करना पडता है तथा गरीबी, हिंसा और अन्याय का भारी बोझ उठाना पडता है. **जिंबाब्वे** तथा पूरे अफ्रीका में ए.जे.डब्ल्यू.एस के साथी संगठन महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका कार्यक्रम का तथा परिवारिक हिंसा सह कर निकलनेवाली महिलाओं के लिए मदद का कार्यक्रम चलाते हैं.

दीर्घ काल से खाद्य सुरक्षा का अभाव हो तो नागरिक अधिकारों से वंचित समुदाय आसानी से भूखमरी, शोषण तथा हिंसा के शिकार बनते है. **सेनेगल** के ग्रामीण इलाकों में अनुदान स्थायी आजीविका, पर्यावरण व्यवस्थापन तथा छोटे खेतिहरों की आमदनी बढ़ाने के कार्यक्रमों में लगता है.

संघर्ष से पीडित और संघर्ष के बाद शांति की ओर बढ़नेवाले देशों में आपातकालीन साहायता, आघात से राहत तथा पुनर्निर्माण में ए.जे.डब्ल्यू.एस मदद करता है. **कांगो लोकतंत्रीय गणराज्य** और **सुडान** में साथी संगठन विस्थापित समुदायों को राहत देने का कार्य करते हैं और जन समुदाय आधारित बालसैनिकों के निशस्त्रीकरण की तथा उनके पुनर्वास की मुहिम चलाते हैं. शांति के लिए स्त्रियों का सहभाग आवश्यक है और **रवांडा** और **लायबेरिया** में ए.जे.डब्ल्यू.एस इसी हेतु सहायता देता है.

अनुदानग्राही संगठनों पर प्रकाश

'एडस के विरोध में शिक्षा ही टीका' (इव्हा), यह संगठन २००५ से ए.जे.डब्ल्यू.एस के सहयोग से नायजेरीया के जिन तीन जिलो में सबसे अधिक मात्रा मे एडस के रोगी है वहां की पाठशालाओं के अध्यापकों को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सबंधी प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है. इव्हा ने २००८ में अनाथ और असहाय्य बच्चों की शिक्षा मुहिम जारी की है जिस के तहत सरकारी अधिकारिओं तथा पाठशालाओं के व्यवस्थापनों के साथ ऐसे बच्चों को स्कूलों में प्रवेश देने के लिए तथा उन के लिये अनौपचारिक शिक्षा का प्रबंध करने पर बल दिया है. इस के तहत इव्हा एचआयवी ग्रस्त बच्चों को स्कूलों में प्रवेश किन कारणों से नहीं मिलता उन सभी मुद्दो के बारे में शोध कार्य, प्रलेखन और प्रचार करता है और इन बच्चो के परिवारों की उन बच्चों को स्कूलो मे वापस भेजने में मदद करने की क्षमता बढाने काम करती है.

'मै इस सत्र में मेरे अंग्रेजी टीचर से बहुत कुछ सीखी हूँ. उन्होंने मुझे यह सिखाया है कि मुझे अगर महान बनना है तो मुझे मेरी प्राथमिकताएं तय करने की जरूरत है. मुझे मेरी पढाई पर ध्यान देना होगा और अच्छी तरह से पढाई करनी होगी, तथा 'ना' कहने की, पूरे दिल से ना कहने की सीख अपनानी होगी.'

मेगुइम्बर, विद्यार्थिनी

सरकारी माध्यमिक स्कूल मिबवा बेन्यू राज्य

सुरिक्षत शरण: लायबीरीया के जायतोंडो शहर में आय.डी.पी. कैंप के कुंए से पानी पीती लडकी, छाया: मॅथ्यू एमरी

एशिया में ए.जे.डब्ल्यू.एस. का अनुदान कार्यक्रम

सब के लिये शिक्षा: पाठशाला में पढते विद्यार्थी, ब्रह्मदेश, छाया: डॉर्कस मू

ए.जे.डब्ल्यू.एस एशिया के ८ देशों में काम करता है और उन संगठनों को अनुदान देता है जो सजातीय धार्मिक तथा यौन अल्पसंख्यक, महिलाओं, छोटे खेतीहरों, एचआयवी ग्रस्त और अन्य सीमान्त समुदायों की समानता के लिये काम करते हैं. २००४ में सुनामी से विनाश हुए प्रदेश में पुर्नवास और पुनर्निर्माण के काम के लिये ए.जे.डब्ल्यू.एस का समर्थन अभी भी जारी है और उसका लक्ष्य है राजनीतिक अधिकार खो चुके लोगों की जरूरते पूरी करने में सरकार की जिम्मेदारी तथा भविष्य में आपत्ति का सामना करने में लोगों की क्षमता बढ़ाना.

पूरे एशिया महाद्वीप में भूमि तथा प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार पाने के मुद्दे को प्राथमिकता दी गयी है. **भारत, थायलंड** और **कंबोडिया** में खदानें, जंगल कटाई, बांध, तथा नगदी फसलें जैसी बड़ी औद्योगीक गतिविधियों के कारण जिन देशज तथा सीमान्त समुदायों की जीवनपद्धती खतरे में पड़ गयी है उन समुदायों को ए.जे.डब्ल्यू.एस मदद देता है.

थायलंड और **भारत** में ए.जे.डब्ल्यू.एस का अनुदान निचली जाति के लोगों और बिना कानूनी कागजात ब्रह्मदेश से स्थानांतरित समुदायों को संबोधित करता है. ये समुदाय व्यवसाय संबंधी भारी असमानता तथा श्रम शोषण से पीड़ित होते हैं और उन्हें खतरे से भरपूर जगहों पर काम करना पडता है और कानूनी सहारा नही मिलता. इन को श्रम सबंधी कानूनों के बारे मे प्रशिक्षण, श्रम नीति में सुधार, कानूनी मदद, कानूनी शिक्षा एवं व्यवसाय से जुडे स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यह अनुदान दिया जाता है.

एशिया महाद्वीप में लिंग और यौन सबंध के आधार पर होने वाली हिंसा और किये जाने वाले भेदभाव का विरोध करना अहम मुद्दा है. भारत में अनुदानग्राही किशोरियों एवं पारिवारिक हिंसा सहती औरतों की जरुरतों पर खास बल देते हैं. **कंबोडिया** में सभी संगठन काम की जगह होनेवाली लिंगभाव आधरित हिंसा का प्रतिकार करने में खास कर यौनकर्मियों और वस्त्र उद्योग में जुटे हुए लोगों के लिए काम करते हैं,.

लंबे समय से चलते आए विध्वंसक संघर्ष का सामना करनेवाले प्रदेशो में ए.जे.डब्ल्यू.एस अनुदानग्राही नागरिक समाज का पोषण करते हैं. पूर्व **ब्रह्मदेश** में सेना की जातीय विनाश

की नीति ने पांच लाख लोगों को बेघर किया है. अनेक दशकों से चल रहे संघर्ष ने **अफगानिस्तान** में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अर्थ व्यवस्था का ढाँचा पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है. **श्रीलंका** मे गृह युद्ध के कारण जातीय भेदभाव बढ़ गये हैं. ऐसी जटिल आपातकालीन स्थिति में ए.जे.डब्ल्यू.एस के अनुदानग्राही जीवनावश्यक सामाजिक सेवाएं प्रदान करने एवं शांति की बुनियाद बनाने का प्रयास कर रहे हैं.

अनुदानग्राही संगठनों पर प्रकाश

कारेन विद्यार्थी संजाल गुट (के.एस.एन.जी) यह संगठन ब्रह्मदेश में चल रहे संघर्ष और विस्थापन के कारण शिक्षा संबंधी कमियों को संबोधित कर रहा है और विद्यार्थियों को लोकतंत्रीय एवं स्वतंत्र ब्रह्मदेश के निर्माण की लड़ाई में नेतृत्व करने का प्रशिक्षण दे रहा है. ए.जे.डब्ल्यू.एस के सहायता से के.एस.एन.जी कारेन में अंदरुनी विस्थापित बच्चो के लिए पाठशाला (के.आय.डी.एस) कार्यक्रम चलाता है. इस कार्यक्रम में कारेन राज्य में पांच समुदायिक पाठशालाएं शामिल हैं और ए.जे.डब्ल्यू.एस अनुदान अध्यापकों की तनख्वाह, शिक्षा के लिए साहित्य, विद्यार्थी यूनीफार्म तथा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपयोग में आता है.

'मैं तीसरी कक्षा में था जिस समय ब्रह्मदेश की सेना ने हमारा गांव जला दिया था और हमे गांव छोडने के लिए मजबूर किया था. १२ साल की उम्र में मैं एक सैनिक बन गया, लेकिन मेरे भाग्य से मै राहत केन्द्र मे पहुँचा और के.एस.एन.जी के कारण स्कूल में वापस दाखिल हो पाया. मेरे समुदाय के लिए मैं उपयोगी व्यक्ती बनना चाहता हूं. मै अपनी पढाई जारी रखना चाहता हूं ताकि मैं कारेन के लिए किसी प्रकार से मदद कर सकूं.

१८ वर्षीय विद्यार्थी, के.आय.डी.एस

अनुदान कार्यक्रम मे साझेदारी

समकक्ष साझेदारी अनुदान के तहत, जमीनी स्तर के गैर-सरकारी संगठनों के साथ काम करनेवाले समान-विचारोंवाली अंतर्राष्ट्रीय और प्रादेशिक संस्थाओं के साथ

ए.जे.डब्ल्यू.एस ऐसी साझेदारी निश्चित करती है जो ए.जे.डब्ल्यू.एस के उद्देश्यों को पूरक बन सकें.

इस समकक्ष साझेदारी में विभिन्न प्रकार की संस्थाएं शामिल हैं, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय वकालत, प्रशिक्षण और मानव अधिकार संस्थाएं, जमीनी स्तर की संस्थेओं के प्रादेशिक जाल तथा छोटे, सृजनशील अनुदान दाता संस्थाएं. वे समुदाय आधारित संगठनों को (इनमें ए.जे.डब्ल्यू.एस के साथी संगठन भी शामिल हैं) प्रशिक्षण देती हैं, अनुदान देती हैं, उन के साथ काम करती हैं, उन की वकालत करती हैं, स्थानीय क्षमताओं का विकास करती हैं और जागतिक बदलाव की शक्तिओं को बढ़ावा देती हैं. समकक्ष साझेदारी संस्थाएं ए.जे.डब्ल्यू.एस की प्राथमिकताओं के क्षेत्रों में विशेषज्ञ का काम करती हैं, जिन में हैं विकलांगों के अधिकार, महिलाओं के अधिकार, आपातकालीन खतरों को घटाना तथा जमीनी स्तर का विकास जैसे मुद्दे शामिल हैं.

इन अनुदानों के कारण ए.जे.डब्ल्यू.एस अनुदान ग्राहियों के लिये ज्यादा संसाधन जुटा पाता है, खुद की जानकारी तथा क्षमताएं बढ़ा सकता है और अंतर्राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर विशेष सृजनशील प्रयासों को समर्थन दे सकता है.

अनुदानग्राही संगठनों पर प्रकाश

फ्रंट लाइनः मानव अधिकार समर्थकों की सुरक्षा के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान ऐसी संस्था है जो ९० देशों में अ-हिंसक मानवतावादी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा तथा शिक्षा का काम करती है. मानव अधिकार रक्षकों के लिये अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षमता विकास का जो कार्यक्रम फ्रंट लाइन चलाती है उसे ए.जे.डब्ल्यू.एस अनुदान देता है. यह कार्यक्रम व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्म-रखवाली तथा प्रभावकारी व्यक्तिगत बचावके साधन इन मुद्दों के प्रति जागरूक बनाता है और कार्यकर्ताओं को खतरे की परिस्थिती में मदद दे सके ऐसे प्रशिक्षकों के प्रादेशिक स्तर पर संजाल निर्माण करने का उद्देश्य रखता है.
ए.जे.डब्ल्यू.एस अपने अनुदानग्राहियों को फ्रंट लाइन के अत्यावश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल कराने का हमेशा प्रयास करता है.

‘मानव अधिकार समर्थकों के लिये यूरोपियन यूनियन के बनाये हुए मार्गदर्शक सिद्धांतों की कार्यशाला से मैं अभी अभी लौटा हूं. वहां मेरी मुलाकात यूरोपियन यूनियन के १५ देशों के

ऐसे राजनयज्ञोंसे हुई जो मानव अधिकारों के मुद्दों पर सक्रिय हैं और खतरे की घडी में उनका समर्थन कैसे प्राप्त किया जा सकता है इसके बारे में जानकारी मिली.'

ए.जे.डब्लयू.एस के अनुदानग्राही और फ्रंट लाईन प्रशिक्षार्थी, भारत

बदलाव के चेहरे: मुंबई, भारत में झुग्गी-झोंपडी में रहनेवाली दो लडकियां, छाया: रिबेक्का शर्मन

अमेरिकन ज्युईश वर्ल्ड सर्विस (ए.जे.डब्लयू.एस) एक अंतर्राष्ट्रीय विकास संस्था है जो यहूदी-वाद में सम्मिलित न्याय की खोज से प्रेरित है. विकसनशील दुनिया के लोगों में से, वो लोग चाहे किसी भी वंश के, धर्म के या देश के हों, गरीबी, भूख और रोग को हटाने के लिये ए.जे.डब्लयू.एस कटिबद्ध है. जमीनी स्तर के संगठन, स्वैच्छिक सेवा, वकालत और शिक्षा के लिये अनुदान देने के माध्यम से ए.जे.डब्लयू.एस सारी जनता के लिये नागरिक समाज, टिकाऊ विकास और मानव अधिकार को बढ़ावा देती है तथा जागतिक नागरिकता के नाते यहूदी समुदाय की जिम्मेदारियां और मुल्यों को भी बढ़ावा देता है.

न्यू यॉर्क सिटी
४५ वेस्ट ३६ स्ट्रीट
न्यू यॉर्क, एन.वाय. १००१८
टे: २१२.७९२.२९००
८००.८८९.७१४६
फॅ: २१२.७९२.२९३०

सान फ्रान्सिस्को
१३१ स्टेवर्ट स्ट्रीट
स्युट २००
सान फ्रान्सिस्को, सी.ए. ९४१०५

टे: ४१५.५९३.३२८०
फॅ: ४१५.५९३.३२९०

वाशिंग्टन डी.सी.
१००१ कनेक्टिकट अॅवेन्यू, एन.डब्लयू.
स्युट १२००
वाशिंग्टन डी.सी. २००३६
टे: २०२.३७९.४३००
८६६.५३१.९१९६
फॅ: २०२.३७९.४३१०

अमेरिकन ज्युईश वर्ल्ड सर्विस

मुखपृष्ठ और मलपृष्ठ: पाठशाला के विद्यार्थी, कांगो लोकतंत्रीय गणराज्य, छाया: मॅथ्यू एमरी
अंदरूनी मलपृष्ठ: ए.जे.डब्लयू.एस अनुदानग्राही आय.सी.ए., घाना आयोजित पशुपालन लघु-वित्त कार्यक्रम में भाग लेनेवाली घानावासी महिला, छाया: लिझ वाइसबेन